राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड

राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान परिसर, दुर्गापुरा, जयपुर–302018

क्रमांक :F 8(44) (4) RSSB/प.अ./लि.ग्रे.II/कनि.सहा.स.सी.भ.प.2018/336 दिनांक : 23.07.19

-:: विज्ञप्ति ::-

बोर्ड द्वारा **लिपिक ग्रेड-II/कनिष्ठ सहायक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा 2018** के **द्वितीय चरण(Phase-II)** की परीक्षा दिनांक 03.09.2019 से दिनांक 06.09.2019 तक (कम्प्यूटर पर हिन्दी एवं अंग्रेजी में टंकण गति एवं दक्षता परीक्षण) ऑनलाइन आयोजित की जा रही है। इन पदों की भर्ती हेतु जारी विज्ञप्ति क्रमांक प.14(44)RSMSSB/अर्थना/लि.ग्रेड-II/भर्ती/2018/1396 दिनांक 16.04.2018 में टंकण गति एवं दक्षता परीक्षण परीक्षा हेतु अभ्यर्थी द्वारा स्वयं का कम्प्यूटर लाने हेतु निर्देशित किया गया था परन्तु व्यवहारिक दृष्टि एवं एकरूपता बनाये रखने की दृष्टि से अभ्यर्थी को परीक्षा में बोर्ड द्वारा कम्प्यूटर उपलब्ध कराया जायेगा, जिसकी एवज में बोर्ड द्वारा निर्धारित श्रेणीवार निम्नानुसार कम्प्यूटर शुल्क लिया जायेगा:–

(क) सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी व अन्य पिछडा वर्ग/अति पिछडा वर्ग के क्रीमीलेयर श्रेणी के अभ्यर्थी हेतु: रूपये 450/–
(ख) राजस्थान के अन्य पिछडा वर्ग/अति पिछडा वर्ग के नॉन क्रीमीलेयर श्रेणी के अभ्यर्थी हेतु: रूपये 350/–
(ग) राजस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी हेतु: रूपये 250/–

अभ्यर्थी द्वारा उपरोक्तानुसार कम्प्यूटर शुल्क स्वयं की SSO ID पर उपलब्ध **लिपिक ग्रेड-II/कनिष्ठ सहायक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा 2018** के Admit Card Section पर जाकर ऑनलाइन जमा कराया जा सकता है जिसकी सूचना पृथक से दी जायेगी। शुल्क जमा नहीं कराने की स्थिति में अभ्यर्थी अपना ई–प्रवेश पत्र डाउनलोड नहीं कर सकेंगे।

उक्त ऑनलाइन परीक्षा के सम्बन्ध में विस्तृत दिशा–निर्देश बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.rsmssb.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं। परीक्षा हेतु मॉक टेस्ट का लिंक अलग से बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जायेगा, जिसका अभ्यर्थी आवश्यक रूप से ट्रायल कर लेवें। नवीनतम एवं अद्यतन सूचनाओं की जानकारी के लिये बोर्ड की वेबसाइट का नियमित अवलोकन करते रहें।

(डॉ. बी. एल. जाटावत)
अध्यक्ष

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर

लिपिक ग्रेड-II/कनिष्ठ सहायक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा 2018 के फेज-II ''हिन्दी एवं अंग्रेजी में टंकण गति एवं दक्षता परीक्षण'' परीक्षा के संबंध में दिशा–निर्देश

लिपिक ग्रेड-II/कनिष्ठ सहायक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा 2018 के **द्वितीय चरण(Phase-II)** की परीक्षा दिनांक 03.09.2019 से दिनांक 06.09.2019 तक (कम्प्यूटर पर हिन्दी एवं अंग्रेजी में टंकण गति एवं दक्षता परीक्षण) ऑनलाइन आयोजित की जा रही है। इन पदों की भर्ती हेतु जारी विज्ञप्ति क्रमांक प.14(44)RSMSSB/अर्थना/लि.ग्रेड-II/भर्ती/2018/1396 दिनांक 16.04.2018 में टंकण गति एवं दक्षता परीक्षण परीक्षा हेतु अभ्यर्थी द्वारा स्वयं का कम्प्यूटर लाने हेतु निर्देशित किया गया था परन्तु व्यवहारिक दृष्टि एवं एकरूपता बनाये रखने की दृष्टि से अभ्यर्थी को परीक्षा में बोर्ड द्वारा कम्प्यूटर उपलब्ध कराया जायेगा, जिसकी एवज में बोर्ड द्वारा निर्धारित श्रेणीवार निम्नानुसार कम्प्यूटर शुल्क लिया जायेगाः–

(क) सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी व अन्य पिछडा वर्ग/अति पिछडा वर्ग के क्रीमीलेयर श्रेणी के अभ्यर्थी हेतुः रूपये 450/–
(ख) राजस्थान के अन्य पिछडा वर्ग/अति पिछडा वर्ग के नॉन क्रीमीलेयर श्रेणी के अभ्यर्थी हेतुः रूपये 350/–
(ग) राजस्थान के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी हेतुः रूपये 250/–

अभ्यर्थी द्वारा उपरोक्तानुसार कम्प्यूटर शुल्क स्वयं की SSO ID पर उपलब्ध **लिपिक ग्रेड-II/कनिष्ठ सहायक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा 2018** के Admit Card Section पर जाकर ऑनलाइन जमा कराया जा सकता है जिसकी सूचना पृथक से दी जायेगी। शुल्क जमा नहीं कराने की स्थिति में अभ्यर्थी अपना ई–प्रवेश पत्र डाउनलोड नहीं कर सकेंगे।

1. अभ्यर्थी गति/दक्षता परीक्षण परीक्षा प्रारम्भ होने के निर्धारित समय से 01 घण्टा 30 मिनट पूर्व परीक्षा स्थल पर अपनी उपस्थिति देवें।
2. उक्त परीक्षा हेतु मॉक टेस्ट का लिंक अलग से बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जायेगा, जिसका अभ्यर्थी आवश्यक रूप से ट्रायल कर लेवें।
3. लिपिक ग्रेड– II परीक्षा के प्रथम फेज में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को द्वितीय फेज (टंकण/दक्षता) में कम्प्यूटर आधारित परीक्षा के अन्तर्गत निम्नानुसार 4 भागों में करवायी जायेगी :–

प्रश्न पत्र सं.	विषय	समय	अंक	अर्हता हेतु न्यूनतम प्राप्तांक
1	हिन्दी टंकण गति परीक्षण	10 मिनट	25	9
2	अंग्रजी टंकण गति परीक्षण	10 मिनट	25	9
3	हिन्दी दक्षता परीक्षण	10 मिनट	25	9
4	अंग्रजी दक्षता परीक्षण	10 मिनट	25	9

4. परीक्षा के संबंध में सामान्य नियम, प्रश्न पत्र के स्वरूप, परीक्षा की प्रक्रिया, मूल्यांकन संबंधी मानदंड, अभ्यर्थियों के लिये दिशा–निर्देश निम्नानुसार होंगेः–

क – गति परीक्षण (Speed Test)

- दोनों भाषाओं (हिन्दी एवं अंग्रेजी) का प्रत्येक भाग 25 अंकों का होगा एवं प्रत्येक भाग के लिये 10 मिनट का समय दिया जायेगा।

- अभ्यर्थियों को दोनों भाषाओं (हिन्दी एवं अंग्रेजी) का प्रश्न पत्र परिच्छेद (Paragraph) के रूप में प्रदर्शित किया जावेगा। अंग्रेजी में परिच्छेद 500 शब्दों का होगा एवं हिन्दी में परिच्छेद 400 शब्दों का होगा।
- अंग्रेजी में प्रत्येक सही शब्द पर 0.05 अंक निर्धारित होंगे तथा हिन्दी में प्रत्येक सही शब्द पर 0.0625 अंक निर्धारित होंगे।
- अभ्यर्थियों द्वारा किये गये टंकण गति कार्य के मूल्यांकन हेतु अंकों की गणना प्रक्रिया में निम्नांकित त्रुटियों के अंक नहीं दिये जावेगें :–
  - गलत वर्ण, शब्द या अंक लिखना
  - वर्णों, शब्दों या अंकों का छूटना
  - वर्णों, शब्दों, अंकों या पंक्ति की पुनरावृत्ति करना
  - विराम चिह्नों का यथावत प्रयोग नहीं करना
  - शब्द–अंतराल में त्रुटि करना
  - अंग्रेजी में कैपिटल एवं स्माल लेटर का यथावत प्रयोग नहीं करना
  - हिन्दी में मात्राओं का यथावत प्रयोग नहीं करना
  - मात्राओं में की गयी अनावश्यक आवर्ती जो कि दिखनें में नजर नहीं आती किन्तु कम्प्यूटर गलत बताता है। उदाहरणः–
    1. केवल = dsoy
    2. केवल = dssssoy

    इसमें केवल = dsoy को ही सही माना जायेगा।
  - वर्णों का टंकण उचित प्रकार से नहीं करना। उदाहरणः–
    1. प = i
    2. प = Ik

    इसमें प = i को ही सही माना जायेगा।

ख – दक्षता परीक्षण (Efficiency Test)

- दक्षता परीक्षण MS Word 2007 में दोनों भाषाओं (हिन्दी एवं अंग्रेजी) में करायी जायेगी जिसमें पैराग्राफ एवं टेबल से संबंधित प्रश्न दिये जायेंगे। उदाहरणः– Paragraph, Paging, Header, Footer, Font, Background, Table, Border, Spacing, Find, Replace etc.
- दक्षता परीक्षण का प्रश्न पत्र अभ्यर्थियों को परीक्षा के समय अलग से दिया जायेगा।
- दोनों भाषाओं (हिन्दी एवं अंग्रेजी) का प्रत्येक भाग 25 अंकों का होगा एवं प्रत्येक भाषा के लिये 10 मिनट का समय दिया जायेगा।
- दक्षता परीक्षा के दौरान कम्प्यूटर की कट–कॉपी–पेस्ट (Cut-Copy-Paste), राईट माउस क्लिक (Right Mouse Click), Select All, सभी फंक्शन–की (Function Keys) के अलावा सभी Keys कार्य करेंगी।
- प्रत्येक सही कार्य का मूल्यांकन प्रश्न पत्र में आवंटित अंकों के आधार पर किया जायेगा।
- प्रश्नों में विशेषतः पूछे गये फोरमेटिंग (Formatting) के अतिरिक्त अन्य कोई फोरमेटिंग व एडिटिंग नहीं करें अन्यथा किये गये कार्य के लिये कोई अंक प्रदान नहीं किये जावेंगे।
- परीक्षा समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक अभ्यर्थी प्रश्नपत्र के नीचे वर्णित प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करके वीक्षक (Invigilator) को वापिस लौटायेगा।

➢ प्रश्न जिनके उत्तर दिये जाने है, से संबंधित आवश्यक सामग्री (Paragraph, Table, Text etc.) कम्प्यूटर स्क्रीन पर पहले से ही (By Default) उपलब्ध है, जिस पर ही प्रश्नों को हल करना है।

–अन्य दिशा–निर्देश–

अंगेजी टाईप के लिए प्रचलित फोंट का प्रयोग किया जायेगा तथा हिन्दी टाईपिंग के लिए Standard की–बोर्ड एवं DevLys 010 फोंट का प्रयोग किया जायेगा।

Hindi Keyboard

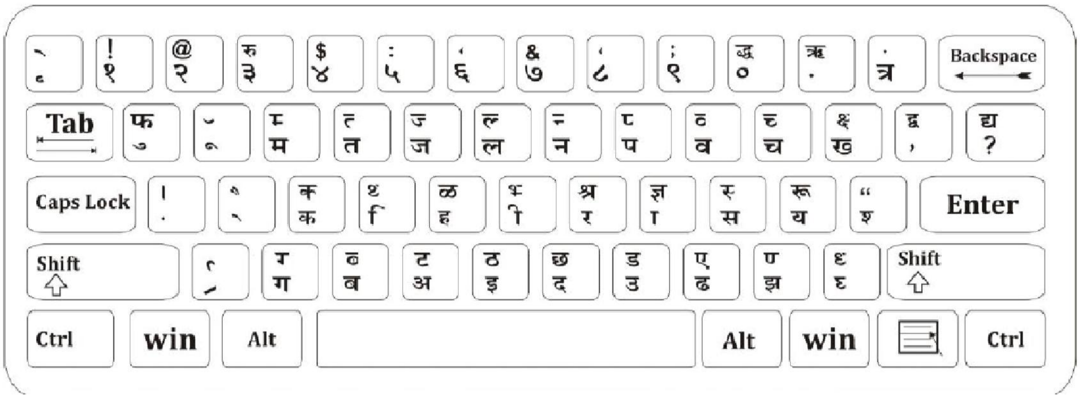

नोटः– यह की–बोर्ड केवल दृष्टांत रूप है, इसे DevLys 010 फोंट के अनुरूप चैक कर लेवें। की–बोर्ड (Keyboard) की कुछ Keys DevLys 010 फोंट के अनुरूप दृष्टांत से भिन्न (Different) हो सकती है। उक्त की–बोर्ड (Keyboard) एक उदाहरण हेतु उपयोग में लिया गया है, अभ्यर्थी को DevLys 010 हिन्दी फोंट ही हिन्दी परीक्षा हेतु उपयोग करना है।

1. **अभ्यर्थी को चारों प्रश्न पत्र में दोनो भाषाओं की गति व दक्षता परीक्षण परीक्षा देना तथा उत्तीर्ण हेतु न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त करना अनिवार्य है, अन्यथा वह अनुत्तीर्ण माना जायेगा।**
2. परीक्षा शुरू होने से पहले अभ्यर्थी को दिये गये निर्देशों को ध्यानपुर्वक अध्ययन कर लेना चाहिये तथा अपनी आवश्यक सूचनाओं की प्रविष्टि कम्प्यूटर पर ध्यानपूर्वक करें।
3. अभ्यर्थी परीक्षा हॉल में अपनी जगह पर बैठने के पश्चात् कम्प्यूटर पर Login करके अभ्यास परीक्षण (Pratice Test) में अपने की–बोर्ड एवं माउस का परीक्षण करके सुनिश्चित कर लेवें कि की–बोर्ड एवं माउस भी पूर्ण रूप से सही कार्य कर रहें हैं अथवा नहीं तथा यह भी सुनिश्चित कर लेवे कि कम्प्यूटर सही ढ़ंग से कार्य कर रहा है अथवा नहीं। परीक्षा शुरू होने के पूर्व उपरोक्त के बारे में अभिजागर को सूचित नहीं करने की दशा में सम्पूर्ण जिम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी।
4. टंकण गति एवं दक्षता परीक्षण हेतु विशेष रूप से बनाये गये सॉफ्टवेयर का ही उपयोग किया जायेगा।
5. अभ्यर्थी द्वारा एक बार टेस्ट शुरू करने के बाद व सीधा पूर्ण समय होने के बाद ही रूकेगा, अतः अभ्यर्थी इस बात का ध्यान रखें कि समय को नष्ट किये बगैर दिये गये प्रश्न पत्र को पूर्ण रूप से सही टाईप/प्रविष्टियाँ करने की कोशिश करें।
6. परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल फोन इत्यादि का प्रयोग वर्जित रहेगा।
7. अभ्यर्थी अपना कोई की–बोर्ड एवं कोई की–बोर्ड स्टीगर साथ लेकर नहीं आवें। परीक्षा में किसी भी प्रकार के की–बोर्ड स्टीगर की अनुमति नहीं है।
8. कम्प्यूटर पर ऑनलाइन परीक्षा से पूर्व अथवा परीक्षा समय में परीक्षा सॉफ्टवेयर के अतिरिक्त किसी अन्य सॉफ्टवेयर को नहीं खोलें अन्यथा इससे होने वाली समस्या के आप स्वयं जिम्मेदार होगें।
9. परीक्षा के दौरान Alt एवं Control Key का उपयोग नहीं करें।

10. टंकण गति परीक्षण में यदि अभ्यर्थी ने किसी शब्द को गलत टंकित कर दिया है और वह उसमें सुधार करना चाहता है तो Back-Space का उपयोग कर उसे तब तक सुधार सकता है, जब तक उसने अगला शब्द टाइप करने के लिए Enter/Space-Bar का उपयोग नहीं किया है। एक बार Enter/ Space-Bar का उपयोग कर लिये जाने पर Back-Space काम नहीं करेगा।
11. दक्षता परीक्षण में आवश्यकतानुसार Back-Space का उपयोग किया जा सकता है।
12. परीक्षा में किसी शॉर्टकट–की का प्रयोग नहीं करें।
13. पूरी टंकण गति एवं दक्षता परीक्षण परीक्षा में माउस का उपयोग आवश्यकता होने पर किया जा सकता है।
14. यदि किसी कारण से हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर में समस्या आ रही है तो अभिजागर को तुरन्त सूचित करें।

टंकण गति एवं दक्षता परीक्षण के संबंध में ऑनलाइन परीक्षा की प्रक्रिया निचे दिया गये स्क्रीन शॉट्स से समझा जा सकता है:–

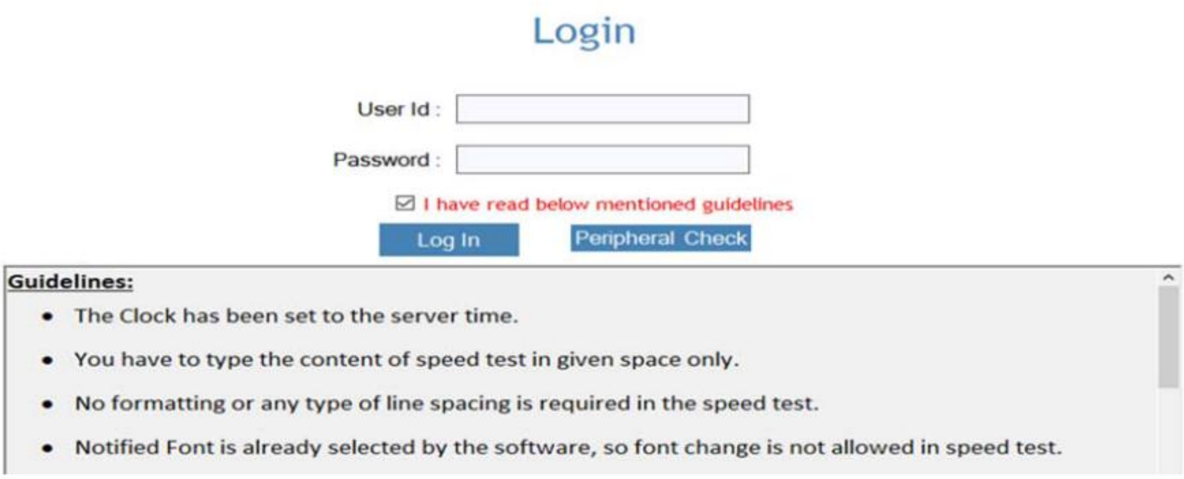

Practice Test/अभ्यास परीक्षण

Remaining Time: 00:02:09

Skip Practice Test

English | Hindi

In this page check your English & Hindi keyboard.

Hindi Typing Speed Test/ हिन्दी टंकण गतिपरीक्षा

Remaining Time: 00:01:34

रानडे की पत्नी की मृत्यु को एक महीना भी नहीं हुआ था कि एक ग्यारह वर्ष की कन्या से 32 वर्ष के रानडे का विवाह पूरी सनातन विधि से हो गया। दस वर्षों से जिस आदर्श के लिए रानडे लड रहे थे, जिसके लिए उन्होंने इतनी कठिनाईयों का सामना किया था, पांडित्यपूर्ण और भावपूर्ण भाषणों द्वारा जिसका उपदेश दिया था और जिसके लिए उन्होंने अपने चारों ओर इतने पक्के और कट्टर अनुगामी जमा कर लिए थे, उस आदर्श के यह विवाह सर्वथा प्रतिकूल था। जिन बुराइयों की वह निन्दा करते थे, वह सारी बुराईया इस शादी में थी लड़की बहुत छोटी थी, पति पत्नी की आयु में बहुत अधिक अन्तर था और बड़ी उम्र के रानडे ने एक विधवा से शादी न कर छोटी कन्या से की थी। रानडे ने जो कुछ किया उससे पिता तो सन्तुष्ट हो गए लेकिन कुटुम्ब के बाहर जो प्रतिक्रिया हुई, वह बहुत अप्रिय थी।

रानडे की पत्नी की मृत्यु को एक महीना भी नहीं हुआ था कि एक ग्यारह वर्ष की कन्या से 32 वर्ष के

Roll No. : 000000

Hindi Typed Content Preview
हिन्दी टंकित सामग्री पूर्वावलोकन

Confirm

Name : XXXX XXXX

रानडे की पत्नी की मृत्यु को एक महीना भी नहीं हुआ था कि एक ग्यारह वर्ष की कन्या से 32 वर्ष के

Remaining Time : 00:00:59

Confirmation Screen

Hindi Typed Content Preview

Roll No. : 000000

Test Id : 3

Name : XXXX XXXX

रानडे की पत्नी की मृत्यु

CONFIRMATION

Please enter your password and confirm your typed content.

Note : Here editing is not permitted.

Enter Password : *

Click To Approve

Please enter your password and confirm your typed content.

Note : Here editing is not permitted.

Remaining Time : 00:00:54

हिन्दी दक्षता परीक्षा

Remaining Time 00:00:32

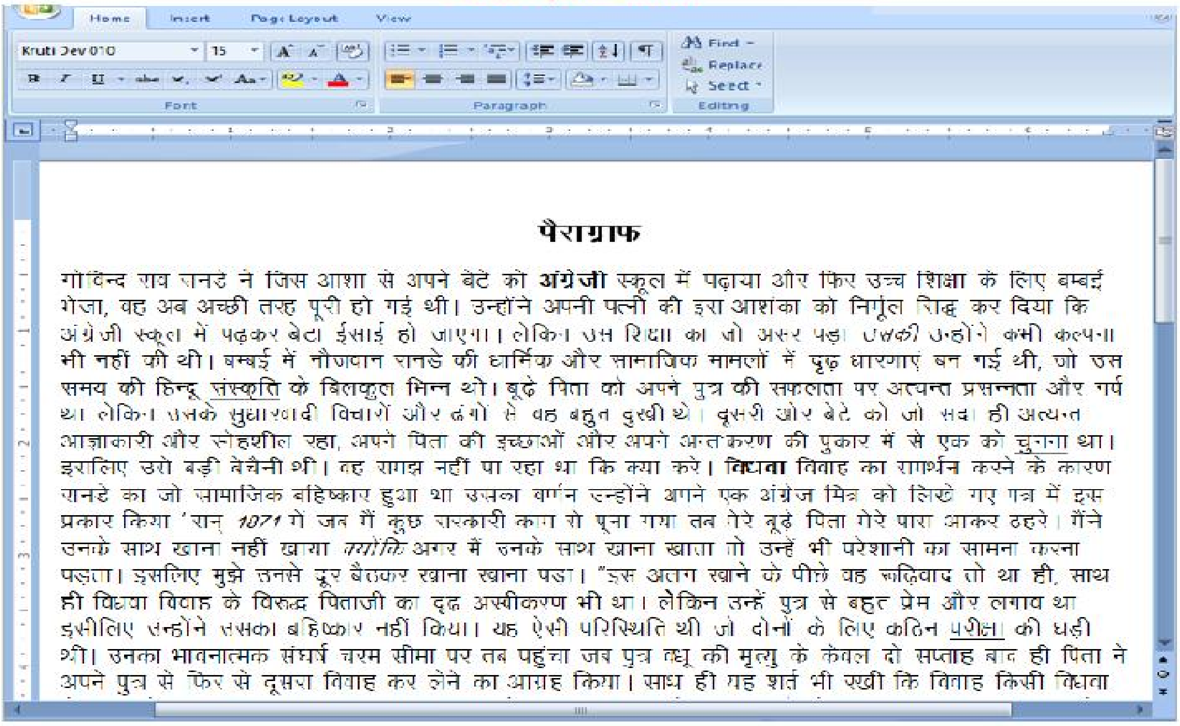

पैराग्राफ

गोविन्द राव रानडे ने जिस आशा से अपने बेटे को **अंग्रेजी** स्कूल में पढ़ाया और फिर उच्च शिक्षा के लिए बम्बई भेजा, वह अब अच्छी तरह पूरी हो गई थी। उन्होंने अपनी पत्नी की इस आशंका को निर्मूल सिद्ध कर दिया कि अंग्रेजी स्कूल में पढ़कर बेटा ईसाई हो जाएगा। लेकिन उस शिक्षा का जो असर पड़ा *उसकी* उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। बम्बई में नौजवान रानडे की धार्मिक और सामाजिक मामलों में दृढ़ धारणाएं बन गई थी, जो उस समय की हिन्दू <u>संस्कृति</u> के बिलकुल भिन्न थी। बूढ़े पिता को अपने पुत्र की सफलता पर अत्यन्त प्रसन्नता और गर्व था लेकिन उनके सुधारवादी विचारों और ढंगो से वह बहुत दुखी थे। दूसरी ओर बेटे को जो सदा ही अत्यन्त आज्ञाकारी और स्नेहशील रहा, अपने पिता की इच्छाओं और अपने अन्तःकरण की पुकार में से एक को <u>चुनना</u> था। इसलिए उसे बड़ी बेचैनी थी। वह समझ नहीं पा रहा था कि क्या करे। **विधवा** विवाह का समर्थन करने के कारण रानडे का जो सामाजिक बहिष्कार हुआ था उसका वर्णन उन्होंने अपने एक अंग्रेज मित्र को लिखे गए पत्र में इस प्रकार किया 'सन् *1071* में जब मैं कुछ सरकारी काम से पूना गया तब मेरे बूढ़े पिता मेरे पास आकर ठहरे। मैंने उनके साथ खाना नहीं खाया *क्योंकि* अगर मैं उनके साथ खाना खाता तो उन्हें भी परेशानी का सामना करना पड़ता। इसलिए मुझे उनसे दूर बैठकर खाना खाना पड़ा। "इस अलग खाने के पीछे वह रूढ़िवाद तो था ही, साथ ही विधवा विवाह के विरुद्ध पिताजी का दृढ़ अस्वीकरण भी था। लेकिन उन्हें पुत्र से बहुत प्रेम और लगाव था इसीलिए उन्होंने उसका बहिष्कार नहीं किया। यह ऐसी परिस्थिति थी जो दोनों के लिए कठिन <u>परीक्षा</u> की घड़ी थी। उनका भावनात्मक संघर्ष चरम सीमा पर तब पहुंचा जब पुत्र वधू की मृत्यु के केवल दो सप्ताह बाद ही पिता ने अपने पुत्र से फिर से दूसरा विवाह कर लेने का आग्रह किया। साथ ही यह शर्त भी रखी कि विवाह किसी विधवा

हिन्दी दक्षता परीक्षा Confirmation Screen

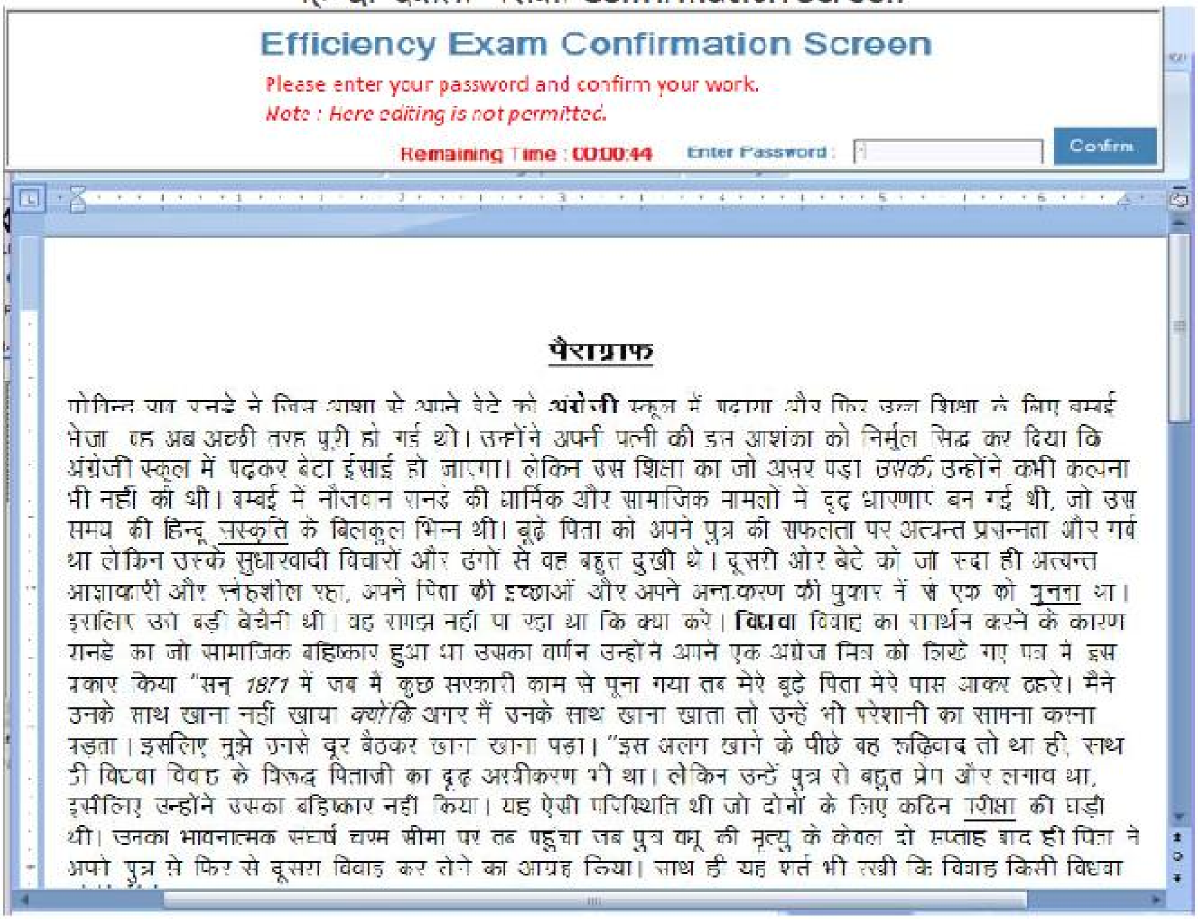

पैराग्राफ

गोविन्द राव रानडे ने जिस आशा से अपने बेटे को **अंग्रेजी** स्कूल में पढ़ाया और फिर उच्च शिक्षा के लिए बम्बई भेजा वह अब अच्छी तरह पूरी हो गई थी। उन्होंने अपनी पत्नी की इस आशंका को निर्मूल सिद्ध कर दिया कि अंग्रेजी स्कूल में पढ़कर बेटा ईसाई हो जाएगा। लेकिन उस शिक्षा का जो असर पड़ा उसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। बम्बई में नौजवान रानडे की धार्मिक और सामाजिक मान्यताओं में दृढ़ धारणाएं बन गई थी, जो उस समय की हिन्दू संस्कृति के बिलकुल भिन्न थी। बूढ़े पिता को अपने पुत्र की सफलता पर अत्यन्त प्रसन्नता और गर्व था लेकिन उसके सुधारवादी विचारों और ढंगों से वह बहुत दुखी थे। दूसरी ओर बेटे को जो सदा ही अत्यन्त आज्ञाकारी और स्नेहशील रहा, अपने पिता की इच्छाओं और अपने अन्तःकरण की पुकार में से एक को चुनना था। इसलिए उसे बड़ी बेचैनी थी। वह समझ नहीं पा रहा था कि क्या करे। **विधवा** विवाह का समर्थन करने के कारण रानडे का जो सामाजिक बहिष्कार हुआ था उसका वर्णन उन्होंने अपने एक अंग्रेज मित्र को लिखे गए पत्र में इस प्रकार किया "सन *1871* में जब मैं कुछ सरकारी काम से पूना गया तब मेरे बूढ़े पिता मेरे पास आकर ठहरे। मैंने उनके साथ खाना नहीं खाया *क्योंकि* अगर मैं उनके साथ खाना खाता तो उन्हें भी परेशानी का सामना करना पड़ता। इसलिए मुझे उनसे दूर बैठकर खाना खाना पड़ा। "इस अलग खाने के पीछे वह रूढ़िवाद तो था ही, साथ ही विधवा विवाह के विरुद्ध पिताजी का दृढ़ अस्वीकरण भी था। लेकिन उन्हें पुत्र से बहुत प्रेम और लगाव था, इसीलिए उन्होंने उसका बहिष्कार नहीं किया। यह ऐसी परिस्थिति थी जो दोनों के लिए कठिन परीक्षा की घड़ी थी। उनका भावनात्मक संघर्ष चरम सीमा पर तब पहुंचा जब पुत्र वधू की मृत्यु के केवल दो सप्ताह बाद ही पिता ने अपने पुत्र से फिर से दूसरा विवाह कर लेने का आग्रह किया। साथ ही यह शर्त भी रखी कि विवाह किसी विधवा

Final Uploading Screen

Name : XXXX XXXX
Roll No. : 000000

Your Files Uploaded Successfully

- ✓ **Hindi Typing Speed Test**
- ✓ **English Typing Speed Test**
- ✓ **Hindi Efficiency Test**
- ✓ **English Efficiency Test**